आइजीआइएमएस में अब 24 घंटे नेत्र रोग का इलाज

स्वास्थ्य मंत्री ने इमरजेंसी वार्ड, रेटिना-ग्लूकोमा यूनिट समेत कई अत्याधुनिक सुविधाओं का किया उद्घाटन

बढ़ीं सुविधाएं

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में आइजीआइएमएस को एसजीपीजीआइ लखनऊ व पीजीआइ चंडीगढ़ की तर्ज पर विकसित करने का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। आइजीआइएमएस स्थित क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में सुदूर जिलों से आने वाले रोगियों को कम से कम समय में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा मिले, इसलिए इमरजेंसी वार्ड, अलग पैथोलाजी यूनिट, एक माइनर व एक मेजर माड्युलर आपरेशन थिएटर के साथ दृष्टिहीनता की शुरूआत में पहचान करने में सक्षम इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन समेत कई अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू की गई हैं। अब राज्य के लोगों को रेटिना, ग्लूकोमा, आंख के कैंसर आदि के उपचार के लिए एम्स नई दिल्ली या चेन्नई के शंकर नेत्रालय नहीं जाना पड़े, इसके लिए अलग रेटिना व ग्लूकोमा यूनिट शुरू की गई है। अधिक से अधिक रोगियों को इसका लाभ मिले, इसके लिए चक्षु केंद्र में अन्य डाक्टरों-चिकित्साकर्मियों की भी नियुक्ति हो रही है।

आइजीआइएमएस स्थित क्षेत्रीय चक्षु संस्थान की नई अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण करते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय। ● जागरण

10 करोड़ से शुरू हुई सुविधाएं

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक ल्यूमरा-आई माइक्रोस्कोप से इमरजेंसी मरीजों की तुरंत सर्जरी हो सकेगी। सर्जरी के लिए तुरंत जांच हो इसके लिए पैथोलाजी लैब में सभी बुनियादी उपकरणों के साथ पीसीआर, बायोकेमिकल एनालाइजर, एबीजी मशीन आदि उपलब्ध कराई गई है। रेटिना यूनिट में 30 दिन के बच्चों से लेकर वृद्ध मरीजों तक का उपचार किया जा रहा है। इन सभी सुविधाओं की अनुमानित लागत लगभग 10 करोड़ है।

जल्द नौ और माड्युलर ओटी

निदेशक प्रो. डा. बिंदे कुमार व उपनिदेशक डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के मार्गदर्शन में आइआइओ में जल्द सीटी स्कैन मशीन व नौ माड्युलर आपरेशन थिएटर भी स्थापित किए जाएंगे। दीघा विधायक संजीव चौरसिया एवं विधान पार्षद नवल किशोर यादव ने कहा कि आइजीआइएमएस का लगातार विकास किया जा रहा है, इससे रोगियों का पलायन रुका है।

अगस्त से शुरू हो जाएगी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आइजीआइएमएस में अगस्त से रोबोटिक सर्जरी व 20 बेड के अंतरराष्ट्रीय मानक की क्रिटिकल केयर यूनिट की सुविधा शुरू हो जाएगी। इसके अलावा 20 हीमोडायलिसिस यूनिट बढ़ा कर इसे 32 किया जाएगा। निदेशक व उपनिदेशक ने बताया कि 16 अगस्त तक इसका उद्घाटन कराने का लक्ष्य है।

अगले सत्र से डेंटल कालेज में बीडीएस की 50 सीटों पर पढ़ाई

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आइजीआइएमएस का दंत चिकित्सा विभाग इतना उन्नत है कि दूसरे राज्यों के लोग इलाज कराने आते हैं। इसे देखते हुए इसका विकास किया जा रहा है। अगले सत्र से बीडीएस की 50 व पीजी की 50 सीटों पर पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसके अलावा सौ बेड का डेंटल अस्पताल बनाया जाएगा। इससे मरीजों को सुविधा होगी।

आरआइओ में लैब सर्विस और रिसर्च विंग

क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में रोगियों के एक छत के नीचे सभी जांच सुविधा व अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पैथोलाजी व रिसर्च विंग भी शुरू हो गई है। नवनिर्मित लैब त्वरित जांच सुविधा मिलेगी तो रिसर्च विंग में दुर्लभ रोगों के उपचार की नई तकनीकों विकसित करने में मदद मिलेगी।

माड्यूलर ओटी में संक्रमण मुक्त होगी जटिल सर्जरी

एक मेजर व एक माइनर माड्यूलर आपरेशन थिएटर शुरू होने से जटिलतम सर्जरी उच्चतम स्तर की सुरक्षा व बिना किसी संक्रमण के डर के हो सकेगी। बताते चलें कि माड्यूलर आपरेशन थिएटर में नियंत्रित वातावरण के कारण सर्जरी के दौरान संक्रमण की आशंका नगण्य हो जाती है।

इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन से संभव होगी आंखों की सूक्ष्म जांच

इलेक्ट्रोफिजियोलाजी मशीन बिजली संचालित गतिविधियों को माप कर रेटिना व आप्टिक नर्व यानी दृष्टि तंत्रिका की कार्यक्षमता का आकलन करती है। इस मशीन से सटीक जांच की जा सकती है। नेत्र संबंधी जटिल रोगों जैसे जन्मजात नेत्र विकार, रेटिनल डिस्ट्राफी, आप्टिक न्यूरोपैथी या अज्ञात कारणों से घटती दृष्टि जैसे रोगों की शुरुआत में पहचान होने से अंधेपन की समस्या को कम किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री सह आइजीआइएमएस शासी निकाय के अध्यक्ष मंगल पांडेय मंगलवार को क्षेत्रीय चक्षु संस्थान (आरआइओ) में उपरोक्त नई सुविधाओं का उद्घाटन कर रहे थे। मौके पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया, एमएलसी नवलकिशोर यादव, आयुष्मान भारत के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा, मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, बिहार मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति सह आइजीआइएमएस के निदेशक प्रो. डा. बिंदे कुमार, आरआइओ के चीफ सह उप निदेशक प्रो. डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा, आई बैंक व ग्लूकोमा यूनिट के चीफ प्रो. डा. नीलेश मोहन, डा. ज्ञान भास्कर, डीन एकेडमिक प्रो. डा. ओम कुमार, प्राचार्य प्रो. डा. रंजीत गुहा, आदि मौजूद थे।

रेटिना यूनिट : मधुमेह-बीपी या उम्र के कारण रेटिना पर होने वाले दुष्प्रभावों का शुरुआत में पता कर दृष्टिहीनता रोकी जा सकेगी। ल्यूमेरा, स्पेक्यूलर माइक्रोस्कोप, एचएफए यानी हंफ्रे फील्ड एनालाइजर, वाइड फील्ड फंडस कैमरा जैसे अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इस यूनिट में डायबिटिक रेटिनोपैथी, रेटिनल डिटैचमेंट यानी भेंगापन, उम्र संबंधी मैक्युलर डिजेनरेशन यानी दृष्टिहीनता जैसे रोगों का उत्कृष्ट उपचार करना संभव होगा।

ग्लूकोमा यूनिट : आंखों का प्रेशर बढ़ने के कारण आप्टिक नर्व क्षतिग्रस्त होकर स्थायी अंधेपन का कारण बन जाता है। इस रोग को ग्लूकोमा कहते हैं। रोगियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक जगह जांच व सर्जरी सुविधा उपलब्ध कराने को यह यूनिट शुरू की गई है। इसमें एचएफए, ओसीटी, आइओपी यानी इंट्राआक्युलर प्रेशर व गोनियोस्कोपी, फील्ड एनालाइजर, अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोप जैसी जांच व सर्जरी की सुविधा होगी।

ल्यूमरा-आई सर्जिकल माइक्रोस्कोप जो विशेष रूप से मोतियाबिंद, रेटिना, ग्लूकोमा व कार्निया सर्जरी के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी उन्नत इमेजिंग व आप्टिक्स तकनीक से सर्जन बेहतर परिणाम देने में सक्षम होते हैं। वाइड फील्ड फंडस कैमरा रेटिना (नेत्र की पिछली परत) की विस्तृत तस्वीर लेने में सक्षम है, जिससे नेत्र रोगों का जल्द व सटीक आकलन संभव होता है। रेटिना के किनारों के जिन रोगों की अबतक पहचान नहीं हो पाती थी, इससे हो सकेगी।

पटना, बुधवार
9 जुलाई, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 18+4=22
www.jagran.com

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

पटना | बुधवार, 9 जुलाई, 2025 आषाढ़, शुक्ल पक्ष-14, 2082

स्वास्थ्य मंत्री ने क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में चार नई सुविधाओं का उद्घाटन किया

आईजीआईएमएस में डेंटल कॉलेज खुलेगा, अगले महीने से रोबोटिक सर्जरी की सुविधा

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

आईजीआईएमएस में 100 बेड का दंत चिकित्सालय और 50 सीटों वाला डेंटल कॉलेज खुलेगा। दांत और जबड़ों से जुड़ी जटिल सर्जरी होगी। यह घोषणा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने मंगलवार को संस्थान के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में चार नई सुविधाओं के उद्घाटन के मौके पर की। अब आंखों के इलाज के लिए 24 घंटे की इमरजेंसी सेवा पूरी तरह से चालू हो गई है। इसमें अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, आंखों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण और दो अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधा उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ल्यूमरा-आई माइक्रोस्कोप का भी लोकार्पण किया गया है, जिससे इमरजेंसी में आए मरीजों का तत्काल ऑपरेशन होगा। मौके पर विधायक संजीव चौरसिया, एमएलसी नवलकिशोर यादव, क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के चीफ डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार आदि उपस्थित थे।

नवजात से वृद्ध तक का इलाज होगा

नई सुविधाओं में एक अत्याधुनिक लैब भी शामिल है, जिसमें बेसिक लैब इंस्ट्रूमेंट्स के साथ-साथ पीसीआर, बायोकेमिकल एनालाइजर और एबीजी मशीन जैसे उपकरण लगाए गए हैं। इससे मरीजों को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक जांच सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके अतिरिक्त रेटिना सर्विसेज और ग्लूकोमा सर्विसेज का भी उद्घाटन किया गया। रेटिना सर्विसेज में 30 दिन के बच्चे से लेकर वृद्ध तक का इलाज किया जा रहा है। ग्लूकोमा सर्विसेज में भी एक एक्स्ट्रा फील्ड एनालाइजर, स्पेकुलर माइक्रोस्कोप और अल्ट्रासाउंड मशीन का लोकार्पण हुआ है, जिससे मरीजों की जांच में तेजी आएगी और वे जल्द ठीक होकर घर लौट सकेंगे। इन सभी सुविधाओं पर करीब 10 करोड़ की लागत आई है।

20 और डायलिसिस मशीनें लगेंगी

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 16 अगस्त तक यहां रोबोटिक सर्जरी का भी शुभारंभ होगा। साथ ही 20 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) और 20 डायलिसिस यूनिट की स्थापना होगी। संस्थान के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने कहा कि यहां सात प्रकार की रोबोटिक सर्जरी होगी। इनमें सामान्य सर्जरी, यूरोलॉजिकल सर्जरी, गेस्ट्रो इंटेस्टाइनल सर्जरी, स्त्री रोग सर्जरी, न्यूरो सर्जरी और ऑर्थोपेडिक सर्जरी शामिल हैं। अभी यहां डायलसिस की 12 यूनिट हैं। 20 और यूनिट लगने से किडनी के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

आईजीआईसी में होने लगी सर्जरी

पटना | आईजीआईसी में हार्ट सर्जरी अब होने लगी है। यह पिछले तीन माह से बाधित थी। यहां कार्यरत परफ्यूजनिस्ट सेवानिवृत्त हो गया था, तब से सर्जरी बंद थी। अस्पताल के निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि हृदय रोग सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। केवल एक परफ्यूजनिस्ट की कमी के कारण सर्जरी बाधित थी। मंगलवार को दो सर्जरी की गई। बुधवार से नियमित सर्जरी होगी।

पीएमसीएच : नेत्र विभाग शिफ्ट

पटना | पीएमसीएच के नेत्र रोग विभाग का ओपीडी अब नए भवन में स्थानांतरित हो गया है। अधीक्षक डॉ. आईएस ठाकुर ने उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि नए भवन के तीसरे फ्लोर पर स्थित नेत्र ओपीडी में मंगलवार को 150 से अधिक मरीजों का इलाज किया गया। नेत्र ओपीडी के लिए रजिस्ट्रेशन अब आरएसबी ब्लॉक स्थित रजिस्ट्रेशन काउंटर पर होगा।

आईजीआईएमएस में जल्द शुरू की जाएगी रोबोटिक सर्जरी : मंगल पांडेय

पटना (एसएनबी)। स्वास्थ्य मंत्री और अध्यक्ष शासी निकाय इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) मंगल पांडेय ने मंगलवार को क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में विभिन्न नई सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया तथा एमएलसी नवलकिशोर यादव की भी उपस्थिति रही। इस नए क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के परियोजना का उद्घाटन सितंबर 2024 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने किया था। जिसके तहत विभाग को 24 घंटे इमर्जेन्सी सुविधाओं को उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि आज अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है कि इस 24 घंटे इमर्जेन्सी कि सुविधा मरीजों को प्राप्त हो गयी। जिसके तहत इमर्जेन्सी में अल्ट्रासाउंड, एक्स रे, आंखों की जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरण एवं दो अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का भी उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत आये हुए अत्याधुनिक ल्यूमरा -आई माइक्रोस्कोप का भी लोकार्पण किया गया जिससे इमरजेंसी में आए मरीजों को तत्काल ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध हो सके। मंत्री ने आने वाले दिनों में आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी एवं 20 बेड के सीसीएम तथा 20 डायलीसिस यूनिट की अगस्त तक स्थापना होने की बात कही।

www.rashtriyasahara.com

■ पटना ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

पटना

बुधवार • 9 जुलाई • 2025

1936
सत्य • सार्थक • सटीक
बुधवार
9 जुलाई 2025, आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी

स्वास्थ्य मंत्री ने 24 घंटे नेत्र इमरजेंसी समेत चार नई सुविधाओं का किया लोकार्पण

आईजीआईएमएस में डेंटल कॉलेज अस्पताल की जल्द होगी स्थापना

पटना, प्रसं। आईजीआईएमएस में एक अलग डेंटल कॉलेज अस्पताल की स्थापना जल्द होगी। 50 बीडीएस सीटों पर दाखिला होगा। 100 बेड का डेंटल अस्पताल होगा। कुछ माह में डेंटल कॉलेज अस्पताल कार्य करने लगेगा।

ये बातें स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने मंगलवार को आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में चार नई अत्याधुनिक सुविधाओं के लोकार्पण के अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि आईजीआईएमएस राज्य का पहला सरकारी अस्पताल होगा जहां 32 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी यूनिट स्थापित होगी। ये सुविधाएं 16 अगस्त तक शुरू होंगी।

32 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी यूनिट स्थापित होगी

आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय नेत्र रोग संस्थान में मंगलवार को उद्घाटन के बाद लैब देखते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय।

50 सीट का होगा डेंटल कॉलेज और 100 बेड का डेंटल अस्पताल

ये चार सुविधाएं हुईं शुरू

- 24 घंटे की इमरजेंसी सेवा के साथ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
- लैब सर्विसेज : सारे बेसिक्स लैब इन्स्ट्रूमेंट साथ ही पीसीआर,बायो केमिकल ऐनालाइजर ,एबीजी मशीन व अन्य उपकरण की सुविधा
- रेटिना सर्विसेज : 30 दिन के बच्चों से लेकर वृद्ध मरीजों तक का इलाज
- ग्लूकोमा सर्विसेज : एक एक्स्ट्रा फील्ड ऐनालाइजर, इसपेकुलर माइक्रोस्कोप, अल्ट्रासाउंड मशीन

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में नेत्र संबंधी सभी बीमारियों का उत्कृष्ट इलाज की सुविधा हो गई है। यहां 24 घंटे इमरजेंसी की सुविधा शुरू करने की घोषणा पर गर्व हो रहा है। इमर्जेन्सी सेवा में अल्ट्रासाउंड ,एक्स रे, आंखों की जांच के लिए विभिन्न अत्याधुनिक उपकरण एवं दो अत्याधुनिक मॉडयूलर ऑपरेशन थिएटर की सुविधा मिलेगी। एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक ल्यूमरा-आई माइक्रोस्कोप की सुविधा होगी। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से भी आए हुए मरीजों को कम से कम समय में उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा उपलब्ध होगी। इमरजेंसी में 24 घंटे चिकित्सकों की तैनाती होगी। लैब सेवा का भी उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री ने किया। इसमें सारे बेसिक्स लैब इन्स्ट्रूमेंट संग पीसीआर, बायो केमिकल ऐनालाइजर,एबीजी मशीन व अन्य उपकरणों का लोकार्पण हो गया। इनके अलावा दो अन्य सुविधाओं रेटिना सर्विसेज व ग्लूकोमा सर्विसेज का भी उद्घाटन हुआ। रेटिना सर्विसेज में 30 दिन के बच्चों से लेकर वृद्ध मरीजों तक का इलाज हो रहा है। ग्लूकोमा सर्विसेज में एक्स्ट्रा फील्ड ऐनालाइजर, इसपेकुलर माइक्रोस्कोप, अल्ट्रासाउंड मशीन का लोकार्पण किया गया। मौके पर दीघा विधायक संजीव चौरसिया, एमएलसी नवलकिशोर यादव, संस्थान के निदेशक डॉ. बिन्देकुमार, उपनिदेशक सह रियो सेंटर के प्रभारी डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा, डीन डॉ. ओम कुमार, प्राचार्य डॉ रंजीत गुहा, आयुष्मान भारत के बिहार के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा आदि थे।

11-12 जुलाई को पटना में عظیم الشان صحت میلہ منعقد ہوگا: منگل

پٹنہ (ت ن س) وزیر صحت منگل پانڈے نے آج کہا کہ وزیر اعلیٰ نتیش کمار کی رہنمائی میں ریاست میں پہلی بار 11 اور 12 جولائی کو ریاستی سطح کے صحت میلے کا انعقاد کیا جائے گا۔ مسٹر پانڈے نے منگل کو یہاں اسٹیٹ ہیلتھ کمیٹی کی جائزہ میٹنگ میں کہا کہ مسٹر کمار کی رہنمائی میں بہار میں پہلی بار 11 اور 12 جولائی کو گیان بھون، پٹنہ میں ریاستی سطح کا صحت میلہ منعقد کیا جائے گا۔

وزیر نے کہا کہ اس عظیم الشان تقریب کا مقصد عام لوگوں کو محکمہ صحت کی مختلف خدمات اور مفید اسکیموں سے واقف کرانا ہے، تاکہ ریاست کے زیادہ سے زیادہ لوگ مستفید ہو سکیں۔ انہوں نے کہا کہ صحت میلے میں تمام بڑے طبی نظاموں جیسے ایلوپیتھی، آیورویدہ، ہومیوپیتھی، یونانی، یوگا کے الگ الگ کاؤ[؟][؟]نٹر قائم کیے جائیں گے۔ اس دو روزہ میلے میں مختلف اقسام کے 50 او پی ڈی کاونٹر دستیاب ہوں گے۔ مسٹر پانڈے نے کہا کہ میلے میں 20 مفت ادویات تقسیم کاونٹر بھی قائم کیے جائیں گے، جہاں ضروری ادویات مریضوں کو مفت دستیاب ہوں گی۔ انہوں نے کہا کہ ایچ پی وی ویکسینیشن کی سہولت خاص طور پر طالبات کیلئے دستیاب ہوگی۔ یوگا کیمپ اور بلڈ گروپ ٹیسٹنگ جیسی سہولت بھی صحت میلے کا ایک اہم حصہ ہوگی۔ میلے میں حاملہ خواتین کیلئے اے این سی چیک اپ، ٹیلی مانس اور ٹیلی میڈیسن کی خدمات، اور ڈی ایڈکشن سینٹر کا اسٹال بھی لگایا جائے گا، جہاں لوگوں کو نشہ چھوڑنے کیلئے کونسلنگ اور آگاہی دی جائے گی۔ وزیر نے کہا کہ ماہر ڈاکٹروں کے ذریعہ پینل مباحثے کا بھی اہتمام کیا جائے گا۔ تاکہ صحت کے مختلف موضوعات پر بات ہو سکے۔

انہوں نے کہا کہ بہار اختراع کو اپنانے اور اسے عوامی مفاد میں استعمال کرنے کیلئے پابند عہد ہے۔ اس میلے کے ذریعے عام لوگوں کو صحت کی خدمات سے براہ راست جوڑنے کی کوشش کی جارہی ہے۔ صحت میلہ صبح 10 بجے سے شام 6 بجے تک منعقد کیا جائے گا۔ اس کے بعد دونوں دن ثقافتی پروگرام بھی منعقد کیے جائیں گے۔

PATNA
WEDNESDAY
JULY 09, 2025

Hindustan Times | MY INDIA

New TB drug candidate may make treatment safer and faster: Study

Rupsa Chakraborty
htmumbai@hindustantimes.com

MUMBAI: A newly identified drug candidate, JNJ-6640, has demonstrated a novel mechanism of action against mycobacterium tuberculosis (the bacterium that causes TB), including dormant and drug-resistant forms, marking a significant step forward in TB drug research.

By targeting a previously unexploited metabolic pathway essential for bacterial survival, JNJ-6640 may offer the potential to develop safer, shorter and more effective treatment regimens.

Further optimisation and clinical evaluation are needed to assess its suitability for human use.

The findings, published in Nature magazine recently, are the result of a collaborative effort between researchers at Johnson & Johnson and the London School of Hygiene & Tropical Medicine (LSHTM).

JNJ-6640 works by inhibiting the enzyme PurF, which deprives the TB bacterium of essential metabolites, ultimately leading to bacterial death.

Anil Koul, professor at LSHTM

Anil Koul, professor of translational discovery at LSHTM and lead corresponding author of the study, said, "Its ability to survive inside macrophages, resist antibiotics and adapt to hostile environments makes TB extremely difficult to eliminate," he said, noting that TB remains the leading infectious cause of death globally and infects nearly a quarter of the world's population.

Unlike most current TB drugs which target actively replicating bacteria, JNJ-6640 remained effective under multiple stress-induced dormancy models, including nutrient deprivation, hypoxia (low-oxygen conditions) and intracellular infection. This is particularly relevant, as TB bacilli often persist in non-replicating states within granulomas (clusters of immune cells that wall off the infection), where they are shielded from antibiotics.

"Many frontline TB drugs, such as isoniazid, lose efficacy in these dormant or low-oxygen conditions," said Koul.

"JNJ-6640 retained activity in all these conditions suggesting that it could shorten the treatment, an essential goal in TB therapy," he added.

Preclinical studies also indicate that JNJ-6640 may have potential in treating drug-resistant TB.

"Replacing current drugs which carry significant toxicity risks is crucial. JNJ-6640's new mechanism and safety potential make it a strong candidate for future combination regimens," said Koul.

In addition to its bactericidal activity, JNJ-6640 exhibited a post-antibiotic effect (continued killing of bacteria even after the drug is removed) in vitro.

While this property could help reduce relapse rates and improve patient recovery, researchers are cautious in interpreting its long-term clinical relevance.

One limitation of JNJ-6640 is its poor metabolic stability (it is broken down too quickly to be effective when given orally) in mice. To overcome this, the team developed a long-acting injectable (LAI) formulation.

"The goal remains to develop an orally bioavailable molecule, but the LAI formulation allowed us to maintain therapeutic concentrations in vivo and validate the drug candidate's potential," said Koul.

At present, JNJ-6640 is considered a validated lead drug candidate but not yet suitable for clinical trials.

This discovery exemplifies the importance of academic-industry collaboration in addressing medical needs, said Koul.

"Targeting novel bacterial pathways is not only feasible—it's essential. We need global funders and policymakers to prioritise TB drug development if we are to control, and eventually eliminate, this disease," he said.

Treating and eliminating TB

- TB bacteria grow slowly and can hide inside cells. Since most antibiotics work only when the bacteria are active, treatment lasts six months or more.
- They can "sleep" inside the body, making them harder to kill and more likely to cause relapse.
- They have a thick, waxy wall that makes it difficult for drugs to reach them.
- Can quickly develop resistance if treatment is not completed properly, which leads to more dangerous forms that are much harder to treat.
- Even though TB kills over a million people every year, it gets far less research funding compared to other diseases.

Robotic surgery to be a reality soon at IGIMS in Patna

HT Correspondent
htpatna@hindustantimes.com

PATNA: The Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGIMS) will start surgery by robots and a 20-bed dialysis unit by August 16, said Bihar's health minister Mangal Pandey while inaugurating new services at the institute on Tuesday, according to a press release issued by his office.

Pandey said a 100-bed dental hospital and a 50-seat dental college will also be established at the IGIMS, the release added.

A 24-hour emergency with advanced ultrasound, X-ray facilities and eye examination equipment, and two state-of-the-art modular operation theatres were among the new services the minister inaugurated at the regional institute of ophthalmology (RIO), headed by Prof Bibhuti Prassan Sinha.

The new services aim to strengthen tertiary eye care and ensure quicker diagnosis and treatment for patients.

The minister also inaugurated an advanced Lumera-eye microscope, a high-end surgical microscope used in ophthalmology, particularly for cataract and refractive surgery.

UNION HEALTH MINISTER JP NADDA AND BIHAR CHIEF MINISTER NITISH KUMAR HAD INAUGURATED THE RIO IN SEPTEMBER 2024 TO BOOST THE HEALTH SERVICES

The minister also formally inaugurated retina and glaucoma services.

An additional field analyzer, specular microscope, and ultrasound machine were also inaugurated as part of the glaucoma services at the institute, said the release.

He also inaugurated a diagnostic laboratory, equipped with a polymerase chain reaction (PCR) machine, biochemical analyzer, and arterial blood gas (ABG) machine to analyze blood samples to assess a patient's respiratory and metabolic status by measuring oxygen and carbon dioxide levels.

Union Health Minister JP Nadda and Bihar Chief Minister Nitish Kumar had inaugurated the RIO in September 2024.

100 बेड का दंत चिकित्सालय एवं 50 सीट वाले डेंटल कॉलेज की की स्थापना शीघ्र : मंगल

आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान में विभिन्न सुविधाओं का हुआ लोकार्पण

(आज समाचार सेवा)

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने आईजीआईएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के विभिन्न नई सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। इमरजेंसी सेवा में अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, आंखों की जांच के लिए विभिन्न अत्याधुनिक उपकरण एवं दो अत्याधुनिक मॉडयूलर ओटी का भी उद्घाटन किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इमरजेंसी में आये हुए मरीजों को तत्काल ऑपरेशन की सुविधाएं उपलब्ध हो सके। हमारी यह कोशिश है कि बिहार के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए मरीजों को कम से कम समय में उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा उपलब्ध करायी जा सके। इस इमरजेंसी में राउंड द क्लॉक चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई हैं। इसके अलावा लैब सर्विसेज का भी उद्घाटन हुआ। जिससे सारे बेसिक्स लैब इन्स्ट्रूमेंट साथ ही पीसीआर, बायो केमिकल ऐनालाइजर, एबीजी मशीन तथा अन्य उपकरणों का लोकार्पण हो गया, ताकि इस भवन में एक ही छत के नीचे मरीजों का तमाम सुविधाएं दी जाए। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल में जल्द ही 100 बेड का दंत चिकित्सालय एवं 50 सीट वाले डेंटल कॉलेज की स्थापना होगी। आगामी दिनों में संस्थान में रोबोटिक सर्जरी, 20 बेड के सीसीएम एवं 20 डायलीसिस यूनिट की उद्घाटन होगी। इस मौके पर स्थानीय विधायक डा.संजीव चौरसिया, विधान पार्षद नवल किशोर यादव, आईजीआईएमएस के निदेशक डा.बिन्दे कुमार, प्राचार्य डा.रंजीत गुहा, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, क्षेत्रीय चक्षु संस्थान के प्रमुख डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

11-12 को ज्ञान भवन में लगेगा स्वास्थ्य मेला

पटना (आससे)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि 11-12 जुलाई को ज्ञान भवन में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जायेगा। उक्त बातें उन्होंने स्वास्थ्य भवन में राज्य स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में कहीं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के साथ आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बिहार में पहली बार राज्यस्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन होने जा रहा हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन तक स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न सेवाओं तथा उपयोगी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है, जिससे राज्य से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। स्वास्थ्य मेले में एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग जैसी सभी प्रमुख चिकित्सा पद्धतियों के अलग-अलग काउंटर स्थापित किये जायेंगे। दो दिवसीय मेले में विभिन्न प्रकार के 50 ओपीडी काउंटर उपलब्ध होंगे। मेले में निशुल्क 20 दवा वितरण काउंटर भी लगाये जायेंगे, जहां रोगियों को आवश्यक दवाएं मुफ्त में उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पैनल डिस्कशन का आयोजन भी होगा। जिससे स्वास्थ्य के विभिन्न विषयों शामिल होंगे। बिहार नवाचार को अपनाने और जनहित में इसका उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मेले के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं। स्वास्थ्य मेला सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जायेगा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत, वीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक डा.निलेश रामचंद्र देवरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

क्षेत्रीय चक्षु संस्थान. चार नयी सुविधाओं का मंत्री मंगल पांडेय ने किया उद्घाटन

आइजीआइएमएस में खुलेगा डेंटल कॉलेज

बेहतरी

संवाददाता, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आइजीआइएमएस) में डेंटल कॉलेज खुलेगा, जहां बीडीएस व एमडीएस की पढ़ाई होगी. इसमें 50 सीटों पर एडमिशन होगा. इसके साथ ही अब संस्थान का दंत रोग विभाग 100 बेड का होगा. यहां दांत व जबड़ों से जुड़ी कई जटिल सर्जरी से लेकर भर्ती कर इलाज करने की सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा. यह जानकारी बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री और अध्यक्ष शासी निकाय आइजीआइएमएस मंगल पांडेय ने दी. मंगलवार को मंत्री ने आइजीआइएमएस के क्षेत्रीय चक्षु संस्थान (आरआइओ) में चार नयी सुविधाओं का उद्घाटन किया.

- 100 बेड का होगा दंत रोग विभाग

इन चार सुविधाओं की शुरुआत

- 24 घंटे आइ इमरजेंसी वार्ड की सुविधा उपलब्ध
- ओटी थियेटर जांच कक्ष
- मॉड्यूलर ओटी,
- लैब इलेक्ट्रो-फिजियोलाजी मशीन

एसजीपीजीआइ लखनऊ व पीजीआइ चंडीगढ़ के तर्ज पर आइजीआइएमएस होगा विकसित

आइजीआइएमएस में मशीन को देखते स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय.

मंगल पांडे ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के दिशा-निर्देश पर बिहार में स्वास्थ्य सेवा लगातार विकसित हो रही है. यही वजह है कि अब आइजीआइएमएस को एसजीपीजीआइ लखनऊ व पीजीआइ चंडीगढ़ के तर्ज पर विकसित करने का लक्ष्य बनाया गया है. उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत अत्याधुनिक ल्यूमरा-आइ माइक्रोस्कोप का भी उद्घाटन किया गया, जिससे इमरजेंसी में आये मरीजों को तत्काल ऑपरेशन हो सके.हमारी कोशिश यह है कि बिहार के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से भी आये हुए मरीजों को कम-से-कम समय में उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा उपलब्ध करायी जा सके.

जल्द नौ मॉड्यूलर ओटी व रोबोटिक सर्जरी की सुविधा: डॉ विभूति : उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि आने वाले दिनों में यहां सीटी स्कैन और नौ मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर का भी काम पूरा हो जायेगा. डॉ विभूति ने कहा कि संस्थान में रोबोटिक सर्जरी और 20 बेड के सीसीएम व 20 डायलीसिस यूनिट की 16 अगस्त तक स्थापना होगी. डॉ प्रो बिंदे कुमार ने नेत्र विभाग को आइजीआइएमएस का सिरमौर कहा.कार्यक्रम में आइ बैंक के इंचार्ज डॉ निलेश मोहन, डीन डॉ ओम कुमार, प्रिंसिपल डॉ रंजीत गुहा, आयुष्मान भारत के बिहार के सीइओ शशांक शेखर सिन्हा व मंत्री स्वास्थ्य के अपर सचिव अमिताभ सिंह भी उपस्थित रहे.

एलएनजेपी : नहीं शुरू हुई एमआरआइ जांच

पटना. राजवंशी नगर स्थित लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) हड्डी अस्पताल में आठ जुलाई दिन मंगलवार को एमआरआइ जांच शुरू नहीं हो पाया. इसके चलते जांच की आस में आये कई मरीजों को लौटना पड़ गया. बीते 30 जून को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने एलएनजेपी हड्डी अस्पताल का उद्घाटन किया था. वर्तमान निदेशक डॉ सरसीत नयनम ने बताया कि इसे शुरू करने की तैयारी की जा रही है.

प्रभात खबर

पटना, बुधवार 09.07.2025 | 02

prabhatkhabar.com

2-day health fair from July 11: Minister

Jainarain Pandey | TNN

Patna: The state govt will organise a two-day health fair at Gyan Bhavan here from July 11, said health minister Mangal Pandey on Tuesday.

The decision was taken at a review meeting where discussions were held on upcoming action plans along with reviewing the progress of various schemes, services and programmes of the health department.

Pandey said the purpose of the event is to convey information about various services and useful schemes of the department to the general public, so that more and more people of the state can benefit.

In the health fair, separate counters of all major medical systems like allopathy, ayurveda, homeopathy, unani and yoga will be set up. About 50 OPD counters of different types and 20 free medicine distribution counters will be set up in the fair, where essential medicines will be made available to the patients for free, the minister said.

QAUMI TANZEEM कौमी तंज़ीम

R.N.I. NO. 4257/64. website : www.qaumitanzeem.com

آئی جی آئی ایم ایس میں روبوٹک سرجری جلد: منگل پانڈے

پٹنہ (ت ن س) پٹنہ کے آئی جی آئی ایم ایس میں جلد ہی روبوٹک سرجری شروع ہوگی۔ اس اسپتال میں 100 بیڈ کو ڈینٹل اسپتال اور 50 بیڈ کا ڈینٹل کالج قائم کیا جائیگا۔ ریاستی وزیر صحت منگل پانڈے نے منگل کو آئی جی آئی ایم ایس میں 4 نئے انتہائی اہم سہولیات کا آغاز کرتے ہوئے یہ اعلان کیا اور کہا کہ ان سہولیات سے ریاست کے غریبوں کو مناسب فائدہ ملے گا۔ ایمرجنسی سروس میں مریضوں کو پہلے سے بہتر سہولت ملے گی۔ اپنے خطاب میں وزیر صحت پانڈے نے کہا کہ آج یہ بڑے فخر کی بات ہے کہ مریضوں کو یہ 24 گھنٹے ایمرجنسی کی سہولت ملی ہے۔ جس کے تحت اس ایمرجنسی سروس میں الٹراساؤنڈ، ایکسرے، آنکھوں کی جانچ کیلئے مختلف جدید آلات اور دو جدید ترین ماڈیولر آپریشن تھیٹرز کا بھی افتتاح کیا گیا ہے۔ پانڈے نے کہا کہ اس پروجیکٹ کے تحت آنے والے جدید ترین لومیرا آئی مائکروسکوپ کا بھی افتتاح کیا گیا۔ تاکہ ایمرجنسی میں آنے والے مریضوں کو فوری آپریشن کی سہولت مل سکے۔ ہماری کوشش ہے کہ بہار کے دور دراز دیہی علاقوں سے آنے والے مریضوں کو کم سے کم وقت میں اعلیٰ معیار کا طبی علاج فراہم کیا جائے۔ اس ہنگامی صورتحال میں چوبیس گھنٹے ڈاکٹر کی دستیابی کو یقینی بنایا گیا ہے۔ اس کے علاوہ لیب سروسز کا بھی افتتاح کیا گیا ہے۔ جس میں تمام بیسک لیب کے آلات کیساتھ ساتھ پی سی آر، بائیوکیمیکل اینالائزر، اے بی جی مشین اور دیگر آلات کا افتتاح کیا گیا تاکہ اس عمارت میں ایک ہی چھت کے نیچے مریضوں کو تمام سہولیات فراہم کی جاسکیں۔